श्रम विभाग ग्रादेश

दिनांक 6 जून, 1985

सं. ग्रो.वि./फरीदाबाद/86-85/24571.—चूंकि हरियाणां के राज्यपाल की राये है कि मै. ए०के० सिन्टर्ड प्रोडक्टस प्रा० लि०, 14/5, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री शारदा प्रसाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद की न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-88-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादगग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त या उस से सुसंगत ग्रथवा उस से संबंधित मामला है:—

क्या श्री शारदा प्रसाद की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ;

सं. ग्रो.वि./फरीदाबाद/86-85/24578--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं. ए०के० सिन्टर्ड प्रोडक्टस प्रा० लि०, 14/5, मथुरा रोड, फरीदाबाद के श्रमिक श्री दशरथ यादव तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पहते हुए ग्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-88-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मोमला न्यायिनर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त या उस से सुसंगत या उस से संबंधित मामला है:—

क्या श्री दशरथ यादव की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है?

सं. श्रो.वि./फरीदाबाद/86-85/24585 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० ए०के० सिन्टर्ड प्रोडक्टस प्रा. लि., 14/5, मथुरा रोड, फरीदाबाद के श्रमिक श्री ललन प्रसाद सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है:—

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वौरा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-88-श्रम/57/11245, दिनांक 7फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय फ़रीदाबाद का विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं जो कि प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित मामला है:--

क्या श्री ललत प्रसाद सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहतं का हकदार है? सं. ग्रो.वि./फरीदाबाद/86-85/24592.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. ए०के० सिन्टर्ड प्रोडक्टंस प्रा० लि०, 14/5, मथुरा रोड, फरीदाबाद के श्रमिक श्री लक्ष्मण सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौदोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवादको न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ; सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री लक्ष्मण तिह की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ? इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों, का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून 1968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-88-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे दिनांक 1 जुलाई, 1985

सं .ग्रो.वि./एफ.डी./60-85/27342.—-चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं. टराई शोरा इण्डिया प्र. लि॰, सैनटर 6, प्लाट नं. 32, बल्लबगढ़ के श्रीमक श्री राम मूर्ति सक्सैना तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीशोगिक विवाद है;

भ्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए [ग्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-/57/11245, दिनांक 7 फ़रवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय फ़रीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनण्य के लिए निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री राम मूर्ति सबसैना की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहत का. हकदार है ?

सं थो. वि./एफ.डी./95-85/27349.—चूंकि इरियाणा के राज्यपाल की राग है कि मै. एप. के रवड़ एण्ड महावी इन्जीनियरिंग, ब्लाट नं. 86, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रीमिक श्री हजारी लील तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामला में कोई श्रीधोगिक विवाद है;

भीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब आँद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करत हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिणंय के नियं निर्देष्ट करते है, जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवां सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री हजारी लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं भ्रो.वि./एफ.डी./100-85/27356.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. बंगाल नैशनल टैक्सटाईल मिल्ज लि., 14/5, मथुरा रोड फरीदाबाद के श्रमिक श्री सुख राम तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमे इस के बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिविनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रीविस्चना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1988 के साथ पढ़ते हुए ग्रीविस्चना सं. 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958. द्वारा उक्त ग्रीविनयंस की द्वारा 7 के ग्रीवीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है था विवाद से सुसंगत भाषता है :—

क्या श्री सुख राम की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है? जै० पी० रतन,

> उप सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग।